International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR)
E-ISSN: 2582-2160 ● Website: www.ijfmr.com ● Email: editor@ijfmr.com

मौर्य सम्राट अशोक की वैश्विक विरासत: साहित्यिक प्रतिनिधित्व

शोधार्थी-कंचन मेश्राम

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर

➢ **सारांश:-**

सम्राट अशोक (268-232 ईसा पूर्व) भारतीय इतिहास के सबसे प्रभावशाली शासकों में से एक थे। उन्होंने न केवल एक विशाल साम्राज्य का शासन किया, बल्कि अपने शासनकाल में नैतिकता, अहिंसा और धर्म के प्रचार-प्रसार को प्राथमिकता दी। अशोक की विरासत केवल भारतीय उपमहाद्वीप तक सीमित नहीं रही, बल्कि उनके विचारों ने वैश्विक प्रभाव डाला। मौर्य सम्राट अशोक भारतीय इतिहास की एक महान विभूति हैं, जिनकी विरासत ने न केवल भारतीय उपमहाद्वीप बल्कि संपूर्ण विश्व को प्रभावित किया। अशोक का शासन धर्म, अहिंसा और सामाजिक कल्याण के सिद्धांतों पर आधारित था, जिसका साहित्यिक प्रतिनिधित्व प्राचीन एवं आधुनिक साहित्य में भली-भांति हुआ है। यह शोध-पत्र अशोक की वैश्विक विरासत को साहित्यिक दृष्टिकोण से विश्लेषित करता है, जिसमें प्राचीन भारतीय ग्रंथों, बौद्ध साहित्य, विदेशी यात्रियों के विवरणों और आधुनिक साहित्य में उनके चित्रण का विस्तृत अध्ययन किया गया है।यह अध्ययन दर्शाता है कि अशोक की नीतियों और उनके विचारों का प्रभाव महाभारत, दीपवंश, महावंश, अशोकवदन, चीनी यात्री फ़ाह्यान और ह्वेनसांग के विवरणों में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। साथ ही, समकालीन साहित्य में भी उनके आदर्शों को प्रेरणा स्रोत के रूप में प्रस्तुत किया गया है। शोध में विभिन्न साहित्यिक स्रोतों का तुलनात्मक अध्ययन कर यह दर्शाया गया है कि अशोक की शिक्षाएँ आज भी प्रासंगिक हैं और उनके विचारों ने वैश्विक साहित्यिक परंपरा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

➢ KEYWORDS –

अशोक, बौद्ध साहित्य, वैश्विक विरासत, साहित्यिक प्रतिनिधित्व, अशोकवदन, दीपवंश, महावंश, भारतीय इतिहास, साहित्य, वैश्विक विरासत, साहित्यिक प्रतिनिधित्व, अशोकवदन, दीपवंश,

➢ अशोक की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:-

सम्राट अशोक (273-232 ईसा पूर्व) मौर्य साम्राज्य के महानतम शासकों में से एक थे, जिन्होंने अपने शासनकाल में अहिंसा, धार्मिक सहिष्णुता और सामाजिक न्याय को बढ़ावा दिया। अशोक के अभिलेखों में उनकी नीतियों का विस्तृत विवरण मिलता है, जो न केवल प्रशासनिक दृष्टि से बल्कि साहित्यिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हैं। अशोक के जीवन, विचारों और नीतियों ने विभिन्न साहित्यिक ग्रंथों को प्रेरित किया और उन्हें एक दार्शनिक राजा के रूप में स्थापित किया ।सम्राट अशोक, मौर्य वंश के तीसरे शासक, चंद्रगुप्त मौर्य के पौत्र और बिंदुसार के पुत्र थे। उनके शासनकाल की सबसे महत्वपूर्ण घटना कलिंग युद्ध (262 ईसा पूर्व) थी, जिसके बाद उन्होंने अहिंसा और धर्म के मार्ग को अपनाया। उनके शासनकाल के दौरान बौद्ध धर्म को न केवल भारत में, बल्कि श्रीलंका, मध्य एशिया, ग्रीस और मिस्र तक फैलाया गया।अशोक ने अपने विचारों को जनसाधारण तक पहुँचाने के लिए शिलालेखों और स्तंभों का निर्माण करवाया। ये शिलालेख आज भी उनके प्रशासन, नैतिकता और धार्मिक सहिष्णुता के विचारों का प्रमाण हैं।

इस शोध-पत्र में अशोक की वैश्विक विरासत को साहित्यिक संदर्भों में विश्लेषित किया गया है, जिसमें प्राचीन भारतीय ग्रंथों, बौद्ध साहित्य, विदेशी यात्रियों के वृत्तांत और आधुनिक साहित्य का अध्ययन किया गया है।

➢ शोध-प्रक्रिया (Research Methodology)

इस शोध-पत्र के लिए गुणात्मक (Qualitative) पद्धति अपनाई गई है, जिसमें प्राचीन एवं आधुनिक साहित्यिक स्रोतों का तुलनात्मक एवं ऐतिहासिक अध्ययन किया गया है। शोध के मुख्य स्रोत निम्नलिखित हैं।

➢ प्राथमिक स्रोत (Primary Sources)

- अशोक के शिलालेख और स्तंभलेख
- महाभारत और अन्य प्राचीन भारतीय ग्रंथ
- बौद्ध ग्रंथ: दीपवंश, महावंश, अशोकवदन

- विदेशी यात्रियों (फ़ाह्यान, ह्वेनसांग) के वृत्तांत

➢ द्वितीयक स्रोत (Secondary Sources)

इतिहासकारों एवं साहित्यकारों द्वारा लिखित आधुनिक ग्रंथ और शोध-पत्र वैश्विक साहित्य में अशोक के आदर्शों की व्याख्या।

- रोमिला थापर - “अशोक एंड द डिक्लाइन ऑफ द मौर्याज”
- ए. एल. बाशम - "द वंडर दैट वाज़ इंडिया"
- जवाहरलाल नेहरू - “डिस्कवरी ऑफ इंडिया”
- डी. डी. कोसांबी - “एन इंट्रोडक्शन टू द स्टडी ऑफ इंडियन हिस्ट्री”
- रमेश चंद्र मजूमदार - “अशोक और उनका युग”
- हेमचंद्र राय चौधरी - “पॉलिटिकल हिस्ट्री ऑफ एनशिएंट इंडिया”
- विनय लाल - “ए हिस्ट्री ऑफ इण्डिया”
- यू. एन. घोषाल - “ए हिस्ट्री ऑफ इंडियन पॉलिटिकल आइडियाज”
- टी. डब्ल्यू. राइस डेविड्स - “बुद्धिज्म: इट्स हिस्ट्री एंड लिटरेचर”

➢ **अशोक के शिलालेखों पर आधुनिक शोध-पत्र**

- “The Edicts of Ashoka” – Richard Salomon इसमें अशोक के शिलालेखों का विस्तृत भाषाशास्त्रीय अध्ययन किया गया है।
- Ashoka’s Dhamma: A Model for Religious Tolerance” – Patrick Olivelle इसमें अशोक की धर्मनीति के साहित्यिक प्रभावों का अध्ययन किया गया है।

- "Ashoka in Buddhist Tradition" – Ananda W. P. Guruge इसमें यह अध्ययन किया गया है कि बौद्ध ग्रंथों में अशोक की छवि को कैसे दर्शाया गया है।

इन स्रोतों के विश्लेषण के माध्यम से यह अध्ययन किया गया है कि अशोक की नीतियों का साहित्यिक अभिव्यक्ति में कैसा प्रभाव पड़ा और यह कैसे वैश्विक स्तर पर विस्तृत हुआ।

➢ **अशोक का साहित्यिक प्रतिनिधित्व:-**

✓ प्राचीन भारतीय ग्रंथों में अशोक-

1. अशोकवदान:-यह संस्कृत ग्रंथ दूसरी शताब्दी ईस्वी में रचित है।इसमें अशोक को प्रारंभ में एक कठोर शासक और बाद में बौद्ध धर्म का अनुयायी बताया गया है।ग्रंथ में उल्लेख है कि अशोक ने 84,000 स्तूपों का निर्माण करवाया।

2. महावंश और दीपवंश:- ये पाली ग्रंथ श्रीलंका में रचित हैं और बौद्ध धर्म के प्रसार में अशोक की भूमिका को दर्शाते हैं।अशोक को "धम्माशोक" (धर्मपरायण अशोक) के रूप में प्रस्तुत किया गया है।इसमें उनके पुत्र महेंद्र और पुत्री संघमित्रा के श्रीलंका में बौद्ध धर्म के प्रचार का वर्णन है।

3. दिव्यावदान:- यह ग्रंथ अशोक की धर्मपरायणता और बौद्ध संघ के प्रति उनकी निष्ठा को दर्शाता है।इसमें एक प्रसंग है जिसमें अशोक एक साधारण रसोइए से प्रेरित होकर बौद्ध धर्म की ओर आकर्षित होते हैं।

✓ **बौद्ध ग्रंथों में अशोक:-**

- त्रिपिटक:-इसमें अशोक का प्रत्यक्ष उल्लेख नहीं है, लेकिन उनके शासनकाल में बौद्ध संघ के विकास का संकेत मिलता है।विनय पिटक में बौद्ध संघ के लिए राज्य संरक्षक की भूमिका का उल्लेख किया गया है, जिसे अशोक से जोड़ा जा सकता है।

- जातक कथाएँ:- अशोक को एक धर्मपरायण राजा के रूप में चित्रित किया गया है।ये कथाएँ बौद्ध नैतिकता और समाज में उनके योगदान को उजागर करती हैं।

✓ **विदेशी ग्रंथों में अशोक:-**

- चीनी और तिब्बती ग्रंथ:-चीनी यात्री फाहयान (Fa-Hien) और ह्वेनसांग (Xuanzang) ने अपने यात्रा विवरणों में अशोक के स्तूपों और बौद्ध धर्म के प्रचार कार्यों का उल्लेख किया है।तिब्बती ग्रंथों में अशोक को "बोधिसत्व-राजा" के रूप में चित्रित किया गया है।

- ग्रीक और लैटिन स्रोत:-मेगस्थनीज़ (Megasthenes) ने अशोक का प्रत्यक्ष उल्लेख नहीं किया, लेकिन मौर्य साम्राज्य के प्रशासन का वर्णन किया।रोमनों ने अशोक की नीति को "आदर्श धर्म-राज्य" के रूप में देखा।

➢ **आधुनिक साहित्य और मीडिया में अशोक:-**

✓ **ऐतिहासिक उपन्यास और कहानियाँ-**

- "The Prince of Patliputra" (Shreyas Bhave) में अशोक के प्रारंभिक जीवन को काल्पनिक रूप से दर्शाया गया है।
- "Ashoka: The Great" (Wytze Keuning) में अशोक की धार्मिक यात्रा को विस्तार से प्रस्तुत किया गया है।

➢ **पश्चिमी साहित्य में अशोक:-**

- H.G. Wells ने The Outline of History (1920) में अशोक को "दुनिया का सबसे महान शासक" कहा।
- Ashoka and the Maurya Dynasty:The History and Legacy of Ancient India's Greatest Empire(Colleen Taylor Sen) सेन बताते हैं कि कैसे 261 ईसा पूर्व में एक खूनी युद्ध के बाद अशोक ने हिंसा का त्याग कर दिया और अपना शेष जीवन धार्मिक सहिष्णुता, पशु अधिकार, पर्यावरण संरक्षण, शांति और बहुसंस्कृतिवाद को बढ़ावा देने में बिताया - एक नीति जिसे उन्होंने धम्म कहा
- फिल्मों और नाटकों में अशोक:-
- बॉलीवुड फिल्म "अशोका" (2001) ने अशोक के जीवन और धर्म परिवर्तन को नाटकीय रूप से प्रस्तुत किया।भारतीय रंगमंच और नाटकों में भी अशोक का महत्वपूर्ण स्थान है।

- जयशंकर प्रसाद ने अशोक की चिंटा (अशोक की चिंता), एक कविता जो कलिंग पर युद्ध के दौरान अशोक की भावनाओं को चित्रित करती है।
- अशोक कुमार 1941 में तमिल फिल्म राजा चंद्रशेखर द्वारा निर्देशित है। फिल्म में चित्तौड़ वी। नागाय्या अशोक के रूप में तारे हैं।
- उत्तर-प्रियदर्शी (द फाइनल बीटिटिड), कवि अगय्या द्वारा लिखी गई एक कविता-नाटक, जिसे उनके मोचन को दर्शाया गया था, को 1996 में थियेटर निर्देशक रतन थियाम द्वारा मंचन करने के लिए अनुकूलित किया गया था और तब से यह दुनिया के कई हिस्सों में किया गया है।
- 1973 में, अमर चित्रा कथा ने अशोक के जीवन पर आधारित एक ग्राफिक उपन्यास जारी किया।
- पियर एंथनी की अंतरिक्ष ओपेरा उपन्यासों की शृंखला में, मुख्य चरित्र में अशोक को प्रशासक के लिए एक मॉडल के रूप में उल्लेख किया गया है।
- अशोक संतोष सिवान द्वारा निर्देशित और सह-लिखित एक 2001 की महाकाव्य भारतीय ऐतिहासिक नाटक फिल्म है। फिल्म अशोका के रूप में शाहरुख खान को तारे।
- 2002 में, मेसन जेनिंग्स ने अपने जीवन जीने के अवसर पर गीत "सम्राट अशोक" को जारी किया यह अशोक के जीवन पर आधारित है।
- 2013 में, क्रिस्टोफर सी। डोयले ने अपना पहला उपन्यास "महाभारत गुप्त" जारी किया, जिसमें उन्होंने अशोक के बारे में लिखा था कि भारत के कल्याण के लिए एक खतरनाक रहस्य छिपा है।
- 2014 का सम्राट राइडल्स, सत्यमेत नायक द्वारा एक कथा रहस्य थ्रिलर उपन्यास, अशोक के विकास और नौ अज्ञात पुरुषों की उनकी गूढ़ कथा को दर्शाती है।
- 2015 में, अशोक के जीवन पर आधारित अशोक बैंकर के एक टीवी धारावाहिक, चक्रवर्ती अशोक सम्राट, कलर्स टीवी पर प्रसारण शुरू कर दिया।[6]
- कुणाल की कथा अशोक के पुत्र कुणाल के जीवन पर आधारित एक आगामी फिल्म है। फिल्म का निर्देशन चंद्रप्रकाश द्विवेदी करेंगे। अहिंसा की भूमिका अमिताभ बच्चन द्वारा की जानी है, और कुणाल की भूमिका अर्जुन रामपाल द्वारा की जाती है।

- भारतवर्ष (टीवी सीरीज) एक भारतीय टेलीविजन ऐतिहासिक वृत्तचित्र शृंखला है, जिसमें अभिनेता-निर्देशक अनुपम खेर द्वारा हिन्दी समाचार चैनल एबीपी न्यूज पर होस्ट किया गया है। शृंखला अशोक के रूप में अहम् शर्मा।

➢ **वैश्विक दृष्टिकोण और विरासत:-**

- अहिंसा और शांति का संदेश:- महात्मा गांधी और मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने अशोक की अहिंसा की नीति से प्रेरणा ली।संयुक्त राष्ट्र(UN) के मानवाधिकार सिद्धांत अशोक की नीतियों से मेल खाते हैं।
- धर्मनिरपेक्षता और सहिष्णुता:- भारतीय संविधान में निहित धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा अशोक की धर्म नीति से प्रेरित है।बौद्ध धर्म का वैश्विक प्रसार अशोक की नीति का प्रत्यक्ष परिणाम है।

➢ **निष्कर्ष:-**

अशोक केवल एक शक्तिशाली सम्राट नहीं थे; वे एक विचारक, सुधारक और मानवतावादी भी थे। उनकी नीतियों ने भारत के राजनीतिक और सामाजिक ढांचे को गहराई से प्रभावित किया और यह प्रभाव आज भी देखा जा सकता है। उनकी धर्म नीति का उद्देश्य न केवल बौद्ध धर्म का प्रसार था, बल्कि सभी धर्मों और विचारों के प्रति सहिष्णुता की भावना को बढ़ावा देना था।उनकी शासन प्रणाली, प्रशासनिक दक्षता और धर्मशासन की अवधारणा प्राचीन काल में ही नहीं, बल्कि आधुनिक लोकतांत्रिक प्रणालियों में भी प्रभावी हैं। उनके द्वारा स्थापित स्तूप, विहार और शिलालेख ऐतिहासिक धरोहर के रूप में आज भी शोध का विषय बने हुए हैं।अशोक की वैश्विक विरासत केवल बौद्ध धर्म तक सीमित नहीं रही, बल्कि उनकी नीतियों ने प्रशासनिक सिद्धांतों, नैतिकता और अंतरराष्ट्रीय शांति की अवधारणा को भी गहराई से प्रभावित किया। इस प्रकार, अशोक न केवल भारतीय इतिहास में बल्कि विश्व इतिहास में भी एक महान शासक के रूप में अमर हो गए।

➢ **संदर्भ सूची ;-**

➢ **प्राथमिक स्रोत-**

- अशोक के शिलालेख

  - Hultzsch, E. (1925). Inscriptions of Asoka. Oxford: Clarendon Press.
  - Sircar, D.C. (1967). Inscriptions of Asoka. New Delhi: Publications Division, Govt. of India.

- संस्कृत एवं पाली ग्रंथ:

✓ अशोकवदान (Ashokavadana) – Strong, John S. (1989). The Legend of King Ashoka: A Study and Translation of the Ashokavadana. Princeton University Press.

✓ महावंश (Mahavamsa) – Geiger, Wilhelm. (1912). The Mahavamsa or the Great Chronicle of Ceylon. London: Pali Text Society.

✓ दीपवंश (Dipavamsa) – Oldenberg, H. (1879). The Dipavamsa: An Ancient Buddhist Historical Record. London: Williams and Norgate.

✓ दिव्यावदान (Divyavadana) – Burnouf, Eugène. (1844). Introduction à l'histoire du Bouddhisme Indien. Paris: Maisonneuve et Cie.

- त्रिपिटक (बौद्ध ग्रंथ)

✓ Rhys Davids, T.W. (1903). Buddhist India. London: T. Fisher Unwin.

✓ Bechert, Heinz. (1995). When Did the Buddha Live?. Delhi: Sri Satguru Publications.

- विदेशी यात्रियों के विवरण:

✓ Megasthenes – McCrindle, J.W. (1877). Ancient India as Described by Megasthenes and Arrian. London: Trübner & Co.

✓ फ़ाह्यान - Beal, Samuel. (1884). Buddhist Records of the Western World. London: Trübner & Co.

✓ ह्वेनसांग - Watters, Thomas. (1904). On Yuan Chwang's Travels in India (629–645 AD). London: Royal Asiatic Society.

- द्वितीयक स्रोत

✓ इतिहास और प्रशासन पर शोध पुस्तकें

✓ Thapar, Romila. (1961). Ashoka and the Decline of the Mauryas. Oxford University Press.

✓ Kulke, Hermann, & Rothermund, Dietmar. (2016). A History of India. Routledge.

✓ Nilakanta Sastri, K.A. (1955). A History of South India. Oxford University Press.

✓ Lahiri, Nayanjot. (2015). Ashoka in Ancient India. Harvard University Press.

- अशोक की नैतिक और दार्शनिक नीतियाँ:

✓ Basham, A.L. (1954). The Wonder That Was India. London: Sidgwick & Jackson.

✓ Gombrich, Richard. (1988). Theravada Buddhism: A Social History from Ancient Benares to Modern Colombo. Routledge.

- आधुनिक साहित्य में अशोक:

✓ Wells, H.G. (1920). The Outline of History: Being a Plain History of Life and Mankind. Macmillan.

✓ Keuning, Wytze. (1945). Ashoka: The Great. Bombay: Asia Publishing House.

✓ Bhave, Shreyas. (2018). The Prince of Patliputra. Leadstart Publishing.

- फिल्मों और मीडिया में अशोक:

✓ Dwyer, Rachel. (2011). Bollywood's India: Hindi Cinema as a Guide to Modern India. Reaktion Books.

✓ Chakravarti, Ranabir. (2006). Exploring Early India: Up to c. AD 1300. Orient Blackswan.

~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~☆☆☆~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~
~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~